ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekd% ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukd% **20.02.2026**
ftyk& chdkusj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 20 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 14.9 से 19.9 °C एवं न्यूनतम तापमान 3.8 से 6.5 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 65 से 95% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (20.02.2026 से 24.02.2026) 20.02.2026 से 24.02.2026 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 17.0°C और अधिकतम तापमान 27.0-29.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी पूर्वी और पूर्वी उत्तरी पूर्वी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	20.02.2026	21.02.2026	22.02.2026	23.02.2026	24.02.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान (° C)	**27**	**28**	**29**	**29**	**29**
न्यूनतम तापमान (° C)	**17**	**17**	**17**	**17**	**17**
वायु दिशा	उत्तरी पूर्वी	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**60**	**48**	**39**	**37**	**36**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**31**	**28**	**24**	**23**	**22**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**2**	**0**	**0**	**2**	**1**
वर्षा (एम.एम.)	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।

विशेष सलाह	तापमान में आंशिक वृद्धि होने की संभावना है जिससे समय पर बोई गई फसलों में कीट और रोग के संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, कीट और रोग के संक्रमण का समय से प्रभावी निदान करने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें।		
फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	गांठ बनने एवं बाली बनने	सिंचाई	समय पर बोई गई गेंहू की फसल में तीसरी सिंचाई गांठ बनने की अवस्था पर (बुवाई के 60-65 दिन बाद) एवं चौथी सिंचाई बाली बनने की अवस्था पर (बुवाई के 75-80 दिन बाद) करें। देरी पर बोई गई गेंहू की फसल में तीसरी सिंचाई दूसरी सिंचाई के 21 से 28 दिन बाद करें।
जौ	गांठ बनने एवं बाली बनने	जिंक की कमी	जौ की खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 0.33 प्रतिशत जिंक सल्फेट(33 प्रतिशत) एवं 2 प्रतिशत यूरिया (50 ग्राम जिंक सल्फेट एवं 300 ग्राम यूरिया प्रति 15 लीटर पानी बीघा) पानी में घोलकर बुवाई के 35-40 दिन बाद छिड़काव करें।
सरसों	फूल आने और दाने बनने	कीट व रोग नियंत्रण	माहू/एफिड का प्रकोप होने पर सरसों की फसल पर मेलाथियान 50 ईसी की 1200 मिली/हेक्टेयर या डाइमिथोएट 30 ईसी की 1200 मिली/हेक्टेयर पानी के साथ छिड़काव करें। सरसों में सफ़ेद रोली रोग से बचाव के लिए 600 ग्राम घुलनशील गंधक(80 प्रतिशत) अथवा 1 मिलीलीटर डाइनोकेप (केराथेन) 30 ई सी. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
जीरा	फूल आने	सिंचाई	जीरे में फुल आने के बाद सिंचाई बंद कर दें।
		रोग प्रबंधन	जीरे में अंगमारी बीमारी का रोग होने पर मेन्कोजेब 2 ग्राम/ लीटर या 500 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें, छिड़काव 2-3 बार दोहराए। जीरे में उकटा रोग का प्रकोप होने पर कार्बेन्डाजिम 300 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव को पुनः दोहराए।
उद्यानिकी		सिंचाई	उद्यानिकी फसलों में समय पर सिंचाई करें।
		रोग प्रबंधन	प्याज की फसल (विशेष रूप से बीज उत्पादन कार्यक्रम में) पीली पत्ती काले धब्बे के साथ बीमारी का प्रकोप होने पर 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम/लीटर पानी) मेंकोजेब का छिड़काव करें।
पशुधन		शीत एवं पोषण प्रबंधन	घरेलू पशुओं का ध्यान रखें। शीतलहर से बचाने के लिए नवजात बछड़ों और अन्य पशुओं को रात और सुबह के समय ढके और संरक्षित क्षेत्र में रखें। अच्छी गुणवत्ता युक्त और उच्च दूध उपज प्राप्त करने के लिए पशु आहार में सांद्र और खनिज मिश्रण शामिल करें।

सह-आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर - ग्रामीण कृषि मौसम सेवा